मन मेरा हर्षा रहा है | By Mukesh Bagda

मन मेरा हर्षा रहा है
दरबार से देखो चलके
मेरे श्याम आ रहे हैं
मन मेरा .....

श्याम जब पधारे तो भक्तों
पलकें उनकी राह में बिछाना
एक बार आये जो कान्हा
उनको अपने दिल में तुम बिठाना
श्याम जो आ जाए
इतना उन्हें रिझाये
फिर जा नहीं वो पाएं
मन मेरा .....

मस्ती में रहते हैं हर पल
नाम में ये तेरे क्या असर है
दिल को मेरे चैन तब ही आता
मिलती मेरी तुझसे जब नज़र है
लेंगे जनम दोबारा
फिर मेल हो हमारा
लगता तू हमको प्यारा
मन मेरा .....

भाव के भूखे हैं मेरे स्वामी
भाव से बांधते हैं ये ज़ंजीर में
भाव से इनको पुकारे जो भी
दौड़े चले आते उसकी पीर में
तू भी अमन शरण ले
जीवन को सफल कर ले
बस नाम उसका भज ले
मन मेरा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-mukesh-bagda/